

भक्त भुलाये माँ नहीं आये हो नहीं सकता

माँ के रहते भगत कभी रो नहीं सकता,
भक्त भुलाये माँ नहीं आये हो नहीं सकता,

भगत तो जान है इसकी भगत में प्राण अटके है,
भगत को याद कर कर के इसके दिन रात कट ते है,
और कही पर मैया का दिल नहीं लगता,
भक्त भुलाये माँ नहीं आये हो नहीं सकता,

भगत ठोकर खा कर गिरता इसको चोट आती है,
भक्त के पास में इसकी आत्मा दौड़ जाती है,
मंदिर में रुकना के फिर दिल नहीं करता,
भक्त भुलाये माँ नहीं आये हो नहीं सकता,

चाहे घर में चाहे मंदिर में माँ तो बस माँ ही होती है,
भगत के आँख भर आये तो आँखे माँ की रोटी है,
माँ की तुलना कोई भी कर नहीं सकता,
भक्त भुलाये माँ नहीं आये हो नहीं सकता,

बुरी नजरो से ये मैया बचा के रखती है,
सीने से वनवारी हमको ये मियां लगा कर रखती है,
ऊँगली पकड़ कर रखती बेटा खो नहीं सकता,
भक्त भुलाये माँ नहीं आये हो नहीं सकता,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6956/title/bhakat-bhukye-maa-nhi-aaye-ho-nhi-shta->

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |